Volume-6, Issue-2, February - 2017 • ISSN No 2277 - 8160

IF : 3.62 | IC Value 80.26

Original Research Paper

Education

vdknfed vfHkizsj.kk ds fof/k;k lnHkZ esa vf/kxe vknr ds lEcU/k dk v/;;u

MANJU CHOUDAHARY — Manju Choudhary (Education Department, Banasthali Vidyapith, Post Banasthali Vidyapith, Rajasthan 301001)

SUJEET MISHRA — Associate Professor, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,Bilaspur Chathisgarh, 4950009

KEYWORDS :

अध्ययन आदत में अभिप्रेरणा की बहुत भूमिका होती है। जीवन के हर क्षेत्र में तथा कार्यो में अभिप्रेरणा का प्रमुख हाथ होता है, इसलिए हमारे जीवन में सफलता प्राप्ति अभिप्रेरणा पर ही निर्भर करती है अभिप्रेरणा को ''सीखने का हदय'' माना जाता है।

प्रेरणाएँ प्राणी की स्वाभाविक मनोवृत्तियों को कहते है। व्यक्ति की मनोवृत्ति ही इस प्रकार की होती है कि वह किसी कार्य को करने के लिये प्रेरित हो उठता है। ये मनोवृत्तियाँ प्राकृत्तिक होती है। इस प्रकार अच्छे कार्य को करने के लिए अपनी योग्यता के आधार पर अपने आप को साबित करना, चाहे उसे जितनी भी बाधाओं से संघर्ष करना पड़े, उस कार्य को करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करना ही प्रेरणा कहलाता है, बच्चे के द्वारा जो भी कार्य किया जाता है उसमें किसी न किसी रूप में अभिप्रेरणा सम्मिलित होती है।

बालक जिस प्रकार का अभिप्रेरित व्यवहार करता है वह उसके अधिगम का आधार बनता है। अभिप्रेरित व्यवहार में स्पष्टतः गति और दिशा निश्चित होती है तथा बालक में उचित शैक्षिक अभिप्रेरणा होने पर उसके व्यवहार में स्थायीत्व आ जाता है। वह शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम होता है व समय कम लेता है और अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त करता है।

संक्षेप में कह सकते है कि किसी कार्य के लिये अभिप्रेरणा देने का तात्पर्य व्यक्ति की आवश्यकताओं, मानसिक प्रवृत्तियों तथा अभिरूचियों में सम्बन्ध स्थापित करना है। अभिप्रेरणा द्वारा ही व्यक्ति सफलता प्राप्त करने व असफलता को दूर करने के लिए प्रेरित होता है जिससे वह लक्ष्य तक पहुँचने का प्रयास करता है।

शिक्षक और उसके पढ़ाने के तरीकों पर बहुत निर्भर करता है। एक अच्छा अध्यापक पढाने की उचित विधियों एवं प्रविधियों को अपनाकर बच्चों का शिक्षण अधिगम की मंजिलों को ठीक तरह तय करने में पूरी मदद कर सकता है। उचित विधियों का चयन जिसमें उपयुक्त प्रविधियों, शिक्षण सामग्री तथा सहायक साधन का उपयोग और आधुनिक तकनीकों का समावेश हो, सभी प्रकार से विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करने में पूरी–पूरी मदद करता हुआ देखा जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में आदतें मुख्य भूमिका निभाती है। जिन बच्चों को अध्ययन में ध्यान लगाने की आदत है उन्हें स्कूल व घर में पढते समय थकान देरी से होती है। जिन बच्चों को अध्ययन के दौरान चिन्तन, तर्कवितर्क करने की आदत हो, वे बच्चे कम समय मे व ज्यादा आसानी से अध्ययन सम्बन्धी ज्ञान अर्जन करते है इस प्रकार अध्ययन आदतें बच्चे के शैक्षिक विकास में अहम् भूमिका निभाती है।

माध्यमिक शिक्षा जो कि प्रारम्भिक शिक्षा और उच्च शिक्षा के बीच की कड़ी है जहाँ प्राथमिक शिक्षा से नींव तैयार होती है वहीं माध्यमिक शिक्षा इस नींव को उच्च शिक्षा के लिये मजबूती प्रदान करती है। अतः किसी भी प्रकार की शिक्षा का ढाँचा हो उसमें माध्यमिक शिक्षा का विशेष स्थान है।माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी उस आयु स्तर के होते है जिन्हें हम न तो छोटा कह सकते है और न ही बडे क्योंकि वो न तो पूर्ण परिपक्वता की अवस्था में होते है इस प्रकार की अवस्था में उनके द्वारा निर्धारित किए गये लक्ष्यों व उद्धेश्यों के रास्ते से भटकने का संदेह बना रहता है।

वर्तमान समय में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में शैक्षिक गतिविधियों के प्रति तथा घरेलू परिवेश, अकादमिक अभिप्रेरणा, अधिगम आदत में बहुत सीधा सम्बन्ध होता है इस संदर्भ में प्रस्तुत शोध पत्र में अकादमिक अभिप्रेरणा के विधियॉ पहलू के संदर्भ में कुछ अध्ययन किया गया।

Ekk; ok;l lo MkVk ¼2012&13½ v/;;u esa bEiSfDVx ,dSMfed eksVhos'ku bu LVwMsUVl iksQkbZy ;w-,l- LVwMsUVl ¼xzsM 6&12½ dksxfy;kbULVhV;wV QkWj ,Lik;js'kul में पाया गया कि अहम् के अन्तर्गत 5 गुणा ज्यादा शैक्षिक अभिप्रेरित हो सकते है। विद्यालय स्तर पर 44 प्रतिशत ने अहम् भाव को पसन्द नहीं किया। 15 गुणा अहम् के अन्तर्गत शैक्षिक अभिप्रेरित हो सकते है। 40 प्रतिशत सिखने के कार्य में सम्मिलित नहीं होना चाहते। 17 गुणा ज्यादा अपने कार्य से शैक्षिक अभिप्रेरित हो सकते है। 14 प्रतिशत ने स्कूल और उनके भविष्य के बीच सम्बन्ध के आधार पर हम कह सकते है कि 7 गुणा ज्यादा अध्यापक सहायता से शैक्षिक अभिप्रेरित हो सकते है। 40 प्रतिशत को अध्यापक सहयोग नहीं मिल पा रहा। 3 गुणा ज्यादा अध्यापक सहयोग से शैक्षिक अभिप्ररित हो सकते है। कोगलिया संस्था के अनुसार 58 प्रतिशत बच्चों का लगता है कि उन्हें साथी सहयोग नहीं मिल रहा है। ;woh foydsleu gsd fQlj ,.M ,yÝsMk fQjfxfyVks ¼2012½ us viu s v/;;u ^^,dSMfed eksVhos'ku vkQ LVwMsUVl n teu dsl** अध्ययन में यह पाया गया कि शैक्षिक अभिप्रेरणा का निर्माण आन्तरिक व बाह्य पक्ष रखते है जो कि एक दूसरे के विरोधाभासी नही है यदि विद्यार्थी आन्तरिक रूप से अभिप्रेरित है तो एक अतिरिक्त चयनित प्रेरणा आन्तरिक अभिप्रेरणा को नष्ट नहीं करती है दूसरी ओर हम कह सकते है शैक्षिक अभिप्रेरणा के दोनों बाह्य व आन्तरिक पक्ष विश्वविद्यालय अध्ययन में एक साथ रहते है। यह भी पाया गया कि अध्ययन का क्षेत्र व व्यावसायिक संगठन आन्तरिक व बाह्य अभिप्रेरणा पर विश्लेषणात्मक प्रभाव डालते है। वे विद्यार्थी जो विज्ञान के प्रत्ति प्रेम के कारण विद्यालय जाते है तो अधिक वित्तिय पुरस्कार की अपेक्षा नहीं करते वे आन्तरिक रूप से अभिप्रेरित होते है। अन्तिम परिणाम के अनुसार छरू विशेषताएँ और न ही सामाजिक पृष्ठभूमि अभिप्रेरणा को प्रभावित करते है तथा यह पाया गया कि शिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच के प्रत्ति प्रेम उनकी शैक्षिक अभिप्रेरणा को बढ़ाती है। ,fytkcsFk ¶;yVu ,.M yhtk ,- Vjuj ¼2008½ us viu s v/;;u ^^LVwMsUVl ,dsMfed eksVhos'ku] fjys'kUl fon isjsUVy HkkjeFk] vkVksukseh xsfUVx ,.M lsij fotu ,T;ds'kuy tujy vkQ ,Dlisfjesa Vy ,T;ds'kuy lkbDykWth** अध्ययन में पाया गया कि लड़के व लड़कियों के आकार में अन्तर पाया गया। लड़कियों में प्रत्यक्ष ज्ञान के नियंत्रण का पूर्वानुमान अभिभावकों के उत्साह व पर्यवेक्षण से लगाया और लड़को में प्रत्यक्ष ज्ञान के पूर्वानुमान में केवल अभिभावकों के उत्साह का सार्थक प्रभाव था। प्रत्यक्ष ज्ञान के नियत्रंण ने लड़के व लड़कियों के ग्रेड़ प्वांट के औसत का पूर्वानुमान लगाया। बच्चों के अभिप्रेरणात्मक विचारों के विकास में अभिभावकों का प्रभाव शैशवास्था व किशोरावस्था में ज्यादा होता है जो कि महाविद्यालय स्तर तक निरंतर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। निष्कर्षतः यह भी पाया गया कि बच्चों का लिंग भेद अभिभावकों के प्रभाव को कम भी करता है। lh- ,bFkk gkLVu ,V-,y- ¼2007½ ^^n uxsfVo bQsDV~l vkQ Vsfyfotu vkWu LVwMsUV~l LVMh gsfcV~l** अध्ययन किया तो पाया कि जो 18 से 24 वर्ष के कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी है वे हिसंक और यौनशोषण से सम्बन्धित कार्यक्रम अधिक देखते है जिससे उनकी पढाई पर अधिक प्रभाव पड़ता है। xzsVj ,.M eSDyj ¼2007½ ^^^n uxsfVo bQsDV~l vkQ Vsfyfotu okfpzx vkWu LVMh gsfcV~l** अध्ययन में पाया कि टी.वी. सभी बच्चो पर अधिक प्रभाव डालता है टी.वी. बच्चो की क्षमता पर सीधा असर डालता है। जिसमे उनके आधारभूत विकास की योग्यता के साथ पढना और लिखना भी सम्मिलित है। fl jkgh] fofurk ¼2004½ ^^, LVMh vkQ v.Mj ,phoesUV bu fjys'ku Vw LVMh gsfcV~l ,.M ,fVV~;wM** अध्ययन में पाया कि एक विशेष समूह को अध्ययन आदतों सम्बन्धी दिशा निर्देशों की आवश्यकता हैं। Mh-] dsekju ¼2003½ ^^vkxsukbt s'kuy DykbesV ,.M ,dsMfed ijQkjesal** अध्ययन में पाया कि प्राथमिक स्कूलों पर एकल व सामूहिक रूप से विभिन्न कारकों का नकारात्मक व सकारात्मक दोनों प्रकार का प्रभाव पाया गया। पाँचवी कक्षा के विद्यार्थियों की अधिगम उपलब्धि व प्रत्येक विषय तथा सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर पाया गया। gjts'kdekj] of'k"B ¼1991½ ^^mPp ek/;fed Lrj ds fo|kfFkZ;ksa dh ikfjokfjd 'kSf{kd fLFkfr dk fo|kfFkZ;ksa dh v/;;u vknrksa ij iHkko dk v/;;u** अध्ययन में पाय कि बीकानेर जिले के माध्यमिक स्तर के शिक्षित परिवारों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें अशिक्षित परिवारों के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक होती है। ik[kjuk ¼1990½ ^^fujkfJr ckyksxg ds ckyd o ckfydkvksa dh v/;;u vknrksa dk ,d v/;;u* fo"k; ij viu s 'kks/k esa ik;k fd fujkfJr ckyksxg ds ckyd o ckfydkvksa dh v/;;u आदतों में कोई सार्थक अन्तर नही है।

उपरोक्त शोध अध्ययन में यह पाया गया कि अकादमिक अभिप्रेरणा व अधिगम आदत से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं का एक दूसरे पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में प्रस्तुत शोध पत्र विधियॉ पहलू जो अकादमिक अभिप्रेरणा का महत्वपूर्ण पक्ष है का अध्ययन किया गया।

'kks/kfof/k

शोधकर्त्री द्वारा अपने शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

U;kn'kZ dk p;u

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा अलवर शहर, राजगढ, मालाखेडा व उमैरण ब्लॉक के अन्तर्गत आने वाले ग्रामीण व शहरी सरकारी विद्यालयों के संचित अभिलेख व विद्यालय अभिलेख के आधार पर 442 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों जिसमें 207 बालक व 235 बालिकाओं को लिया गया।

Ø-l-	{ks=	Nk=	Nk=k	dqy
1	शहरी	44	35	79
2	ग्रामीण	163	200	363
कुल		207	235	442

प्रमापीकृत उपकरण

1- vdknfed vfHkçsj.kk ekiuh – स्वनिर्मित

इस मापनी की विश्वसनीयता दो विधियों द्वारा निर्धारित की गयी–अर्द्ध–विच्छेदी विधि एवं परीक्षण–पुनः परीक्षण विधि।

fo'oluh;rk & अर्द्ध–विच्छेदी विधि द्वारा विश्वसनीयता तत्र.778 पायी गयी।

oS|rk & म्गचमतज टंसपकपजल का प्रयोग कर ब्वदजमदज टंसपकपजल अधिक वैद्यता

Volume-6, Issue-2, February - 2017 • ISSN No 2277 - 8160

पायी। माध्य 4.57 प्राप्त हुआ जो कि बहुत अच्छी श्रेणी में आता है।

2- vf/kxe vknr ekiuh& स्वनिर्मित
fo'oluh;rk & अर्द्ध–विच्छेदी विधि द्वारा विश्वसनीयता तत्र.839 पायी गयी।

o|rk & म्गचमतज टंसपकपजल का प्रयोग कर ब्वदजमदज टंसपकपजल अधिक वैद्यता पायी। माध्य 4.38 प्राप्त हुआ जो कि बहुत अच्छी श्रेणी में आता है।

सुजीत कुमार एवं मंजू चौधरी द्वारा स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया।

lkf[;dh fof/k

शोधकर्त्री द्वारा निष्कर्ष निकालने हेतु मध्यमान, टी–परीक्षण व सहसम्बन्ध का प्रयोग किया गया।

lkj.kh l[;k&1
fof/k;k vkj vf/kxe vknr d /kVdk dk ¼fyx Hkn d vk/kkj ij½ ijnÙk fo'y"k.k

	/kVdk d uke	Nk=	Nk=k,
1	समय	0ण00	0ण08
2	शैली	0ण06	0ण08
3	स्त्रोत	0ण12	0ण04
4	वातावरण	0ण00	0ण03
5	भौतिक सुविधाएं	0ण08	0ण03
6	अध्ययन आदत	0ण04	0ण07
7	अधिगम अभिप्रेरणा	0ण06	0ण04
8	स्मृति	0ण03	0ण03
9	स्वास्थ्य	0ण12	0ण02
10	विषय एकत्र करना	0ण01	0ण03
11	परीक्षा समय	0ण01	0ण08
12	अधिगम आदत	0ण02	0ण07
	संख्या	207	235

*(d.f.=207 table value for r=0.14 at .05 level, d.f.=235 table value for r=0.14 at .05 level)

उपरोक्त सारणी सख्या–1 में छात्र समूह में अकादमिक अभिप्रेरणाके धटक विधियॉं से संबधित अधिगम आदत के धटक समय, शैली, स्त्रोत वातावरण, भौतिक सुविधाएं, अध्ययन आदत, अधिगम अभिप्रेरणा, स्मृति, स्वास्थ्य, विषय एकत्र करना, परीक्षा समय, अधिगम आदतें के साथ सार्थक सहसम्बन्ध नही पाया गया है।

छात्रा समूह में अकादमिक अभिप्रेरणाके धटक विधियॉं के साथ अधिगम आदत के धटक समय, शैली, स्त्रोत, वातावरण, भौतिक सुविधाएं, अध्ययन आदत, अधिगम अभिप्रेरणा, स्मृति, स्वास्थ्य, विषय एकत्र करना, परीक्षा समय, अधिगम आदतें के साथ सार्थक सहसम्बन्ध नही पाया गया है।

lkj.kh l[;k&2
fof/k;k vkj vf/kxe vknr d /kVdk dk ¼LFkku fHkUurk d vk/kkj ij½ ijnÙk fo'y"k.k

	धटकों के नाम	Xkkeh.k	'kgjh
1	समय	0.02	0.075
2	शैली	0.02	0.010
3	स्त्रोत	0.11	0.060
4	वातावरण	**0.13***	0.011
5	भौतिक सुविधाएं	0.015	0.014
6	अध्ययन आदत	0.05	0.129
7	अधिगम अभिप्रेरणा	0.04	0.020
8	स्मृति	0.025	0.023
9	स्वास्थ्य	**0.14***	0.048
10	विषय एकत्र करना	0.09	0.004
11	परीक्षा समय	0.04	0.102
12	अधिगम आदत	0.01	0.05
	संख्या	265	177

*(d.f.=265 table value for r=0.12 at .05 level , d.f.=177 table value for r=0.15 at .05 level)

उपरोक्त सारणी सख्या–2 में ग्रामीण विद्यार्थियों के समूह में अकादमिक अभिप्रेरणा के धटक विधियॉं से संबधित अधिगम आदत के धटक वातावरण में सहसंबंध का मान (r=0.13), स्वास्थ्य में सहसंबंध का मान (r=0.14), पाया गया जो कि .05 स्तर पर सहसंबध के तालिका मान (.12) के मान से अधिक है। अतः सार्थक संहसबंध पाया गया है तथा समय, शैली, स्त्रोत, वातावरण, भौतिक सुविधाएं, अध्ययन आदत, अधिगम अभिप्रेरणा, स्मृति, स्वास्थ्य, विषय एकत्र करना, परीक्षा समय, अधिगम आदतें के साथ सार्थक सहसम्बन्ध नही पाया गया है। शाहरी विद्यार्थियों के समूह में अकादमिक अभिप्रेरणा के धटक विधियॉं से संबधित अधिगम आदत के धटक समय, शैली, स्त्रोत, वातावरण, भौतिक सुविधाएं, अध्ययन आदत, अधिगम अभिप्रेरणा, स्मृति, स्वास्थ्य, विषय एकत्र करना, परीक्षा समय, अधिगम आदतें के साथ सार्थक सहसम्बन्ध नही पाया गया है।

lkj.kh l[;k&3
fof/k;k vkj vf/kxe vknr d /kVdk dk ¼nkuk dk;jr ,o ,dy dk;jr d vk/kkj ij½ ijnÙk fo'y"k.k

/kVdk d uke	nkuk dk;jr	,dy dk;jr
समय	0.10	0.01
शैली	0.02	0.07
स्त्रोत	0.08	0.10
वातावरण	0.04	0.04
भौतिक सुविधाएं	0.04	0.03
अध्ययन आदत	0.10	0.05
अधिगम अभिप्रेरणा	0.08	0.05
स्मृति	0.02	0.10
स्वास्थ्य	0.08	0.08
विषय एकत्र करना	0.05	0.08
परीक्षा समय	0.06	0.02
अधिगम आदत	0.04	0.09
संख्या	169	268

*(d.f.=169 table value for r=0.15 at .05 level & d.f.=268 table value for r=0.12 at .05 level)

उपरोक्त सारणी सख्या–3 में दोनो कार्यरत समूह में अकादमिक अभिप्रेरणा के धटक विधियॉं से संबधित अधिगम आदत के धटक समय, शैली, स्त्रोत, वातावरण, भौतिक सुविधाएं, अध्ययन आदत, अधिगम अभिप्रेरणा, स्मृति, स्वास्थ्य, विषय एकत्र करना, परीक्षा समय, अधिगम आदतें के साथ सार्थक सहसम्बन्ध नही पाया गया है।

एकल कार्यरत समूह में अकादमिक अभिप्रेरणा के धटक विधियॉं से संबधित अधिगम आदत के धटक समय, शैली, स्त्रोत, वातावरण, भौतिक सुविधाएं, अध्ययन आदत, अधिगम अभिप्रेरणा, स्मृति, स्वास्थ्य, विषय एकत्र करना, परीक्षा समय, अधिगम आदतें के साथ सार्थक सहसम्बन्ध नही पाया गया है ।

fu"d"k

निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि छात्र–छात्राओं, ग्रामीण–शहरी व दोनों कार्यरत एवं एकल कार्यरत के आधार पर कहा जा सकता है कि विधियॉं पहलू के कुछ घटकों का सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया व कुछ घटकों का सार्थक सहसम्बन्ध नही पाया गया।

lanHkZ xzUFk lwph

1. ipkSjh] fxfj'k] fjrq ¼2010½] उभरते भारतीय समाज में शिक्षक की भूमिका, आर.लाल बुक डिपों, मेरठ संस्करण।
2. vkM] ,y-d- ¼2012½] शिक्षा की दार्शनिक पृष्ठभूमि, राजस्थान हिन्दी अकादमी, जयपुर।
3. lDlsuk] ,u-vkj- pruosnh] f'k[kk Lo:i ¼2012½, उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, रखेजा, विनय C/o आर. लाल बुक डिपो, निकट गवर्नमेन्ट इण्टर कॉलेज, वेगम ब्रिज रोड, मेरठ 25000।
4. **Santrock W. John** (2006) Education Psychology Tata MC Graw Hill Edition New Delhi.
5. mik/;k;] jkts'ojh] (संस्करण 2006) शिक्षा मनोविज्ञान, वंदना पब्लिकेशन, नई दिल्ली–110002।
6. **Santrock, W. John** (2006) Educational Psychology Tata MC Graw-Hill Education New Delhi.
7. **Nagaraju, M.T.V.** (2004 First Published Study Habits of Secondary School Students, Discovery Pulishing House New Delhi 110002.
8. विलियम, जे.गुड व पॉल के डॉटः मैथड्स इन सोशल रिसर्च, मैग्रेहिल कम्पनी, न्यूयार्क, 1956, पृष्ठ संख्या–35।
9. शैक्षिक अनुसंधान : आलोक रस्तौगी व श्रीशरण, बजरंग प्रकाशन, वैस्ट सागर पुर, नई दिल्ली, पृष्ठ संख्या– 112।
10. कपिल, एच.के., अनुसंधान विधियॉ भार्गव भवन, कचहरी घाट, आगरा, पृष्ठ संख्या– 67, 68, 69।
11. वर्मा, प्रीति, श्रीवास्तव, डी.एन. : मनोवैज्ञानिक और शिक्षा में सांख्यिकीय मापन प्रकाशन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
12. गुप्ता, एस.पी., सांख्यिकी विधियाँ, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद, 2015.
13. गुप्ता, एस.पी., अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद, 2011.
14. माय वॉयस सर्वे डाटा (2012–13) अध्ययन में इम्पेक्टिंग एकेडमिक मोटीवेशन इन स्टूडेन्टस प्रोफाईल यू.एस. स्टूडेन्टस (ग्रेड 6–12) कोगलियाइन्स्टीटयूट फॉर एस्पायरेशनस।
15. यूवी विलकेसमेन हैक फिसर एण्ड एलफ्रेडो फिरगिलिटो (2012) एकेडमिक मोटीवेशन ऑफ स्टूडेन्टस द जर्मन केस।
16. एलिजाबेथ फ्यूलटन एण्ड लीजा ए. टरनर (2008) स्टूडेन्टस एकेडमिक मोटीवेशन, रिलेशन्स विद् पैरेन्टल भारमथ, ओटोनोमी ग्रेन्टिंग एण्ड सुपर विजन एज्यूकेशनल जनरल ऑफ एक्सपैरिमेंटल एज्यूकेशनल साइक्लोजी।
17. सी. एइथा हॉस्टन एट.एल. (2007) द नेगेटिव इफेक्ट्स ऑफ टेलिविजन ऑन स्टूडेन्ट्स स्टडी हेबिट्स।
18. गुप्ट्रर एण्ड मेक्लर (2007) द नेगेटिव इफेक्ट्स ऑफ टेलिविजन वाचिंग ऑन स्टडी हेबिट्स।
19. सिरोही, विनिता (2004) ए स्टडी ऑफ अण्डर एचीवमेन्ट इन रिलेशन टू स्टडी हेबिट्स एण्ड ऐटिट्यूड।
20. डी., कुमारन (2003) आर्गेनाइजेशनल क्लाइमेट एण्ड एकेडमिक परफोरमेंस।
21. हरजेशकुमार, वशिष्ठ (1991) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की पारिवारिक शैक्षिक स्थिति का विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर प्रभाव का अध्ययन।
22. पोखरना (1990) निराश्रित बालागृह के बालक व बालिकाओं की अध्ययन आदतों का एक अध्ययन।